वार्षिक रिपोर्ट

साकार सोसायटी फॉर डिफरेन्टली एबल्ड परसन्स

गाँव डोढवां, तहसील सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि.प्र.)

2016.2017

विभिन्न रूप से सक्षम बच्चों का विशेष स्कूल साकार, सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि.प्र.)

भूमिका

साकार सोसायटी विभिन्न रूप से सक्षम बच्चें का विशेष स्कूल साकार 1 जून, 2008 को सुन्दरनगर बी.बी.एम.बी. के चीफ इंजीनियर के कर कमलों से इस स्कूल की स्थापना हुई। इस सोसायटी में तीन बच्चों से साकार स्कूल की शुरूआत की थी।

साकार सोसायटी के उद्देश्य

इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था कि सामाजिक कल्याण एवं सामाजिक जागृति द्वारा सामाजिक परिवर्तन लाना तथा जिला मण्डी के गांव–गांव में घर पर रह रहे विशेष बच्चों को स्कूल तक पहुंचाना और उन्हें विशेष शिक्षा देने तथा विशेष बच्चों के अभिभावकों को विशेष शिक्षा के बारे में जागरूक करना तथा सभी गांव व शहर के विशेष बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित रह रहे को शिक्षा दिलाना।

साकार से मिल रही सुविधाओं को विशेष बच्चों तक पहुंचाना और अभिभावकों को उन सुविधाओं के बारे में जागयक करवाना था। साकार संस्था के विशेष बच्चों को एक प्लेटफार्म देना ताकि उसके माध्यम से विशेष बच्चों को निःशुल्क शिक्षा और गरीबी रेखा के नीचे गुजर–बसर कर रहे परिवार के विशेष बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देना है ताकि कोई भी विशेष शिक्षा से वंचित न रह जाए।

जागरूकता शिविर

साकार सोसायटी ने यह निर्णय एक बैठक में लिया कि गाँव–गाँव में घर पर रह रहे विशेष बच्चों को किस तरह स्कूल तक पहुँचाया जा सके तथा अभिभावकों को जागयक किया जा सके। 2 अप्रैल, 2015 को जिला कल्याण विभाग, जिला बाल कल्याण विभाग में जाकर विशेष बच्चों की सूची को लिया। इस कार्य को करने के लिए गांव के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से सम्पर्क साधा तथा सुन्दरनगर के लगभग 30 गांव जागरूकता अभियान चलाने की टीम का गठन किया। गांव जाकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से अभिभावकों को परामर्श देना शुरू किया। इस जागरूकता अभियान के कारण 30 बच्चों से बढ़कर 2016 में 60 बच्चों ने विशेष स्कूल डोढवां में आने शुरू हुए।

साकार सोसायटी द्वारा ट्रांसपोर्ट की सुविधा का प्रावधान

साकार सोसायटी के पास सन् 2016 अप्रैल तक एक ही गाड़ी थी। यह विशेष बच्चों को स्कूल लाती और घर तक ले जाती थी। बच्चों की संख्या बढ़ने के कारण साकार सोसायटी से दो और छोटी गाड़ियां तथा एक बस को खरीदा क्योंकि बच्चे दूर–दूर गांव से आने शुरू हुए।

सबसे बड़ा कारण यह था कि माता–पिता अपने आप 35 कि.मी. दूर स्कूल में नहीं छोड़ सकते थे। लोगों की मांग थी कि गाड़ी की सुविधा है तो हम अपने बच्चों को साकार में भेज सकते हैं क्योंकि इनमें बहुत सारे गरीब परिवार से सम्बन्ध रखते थे। सन् 2016–17 में 62 बच्चे गाड़ी में स्कूल डोढवां तक गाड़ी में लाए जाते हैं। उन बच्चों को घर–घर गाड़ी के माध्यम से छोड़ा जाता है। साकार सोसायटी की सबसे बड़ी उपलब्धि सन् 2016–17 जो कि साकार सोसायटी के मुख्य उद्देश्य के अनुसार थी।

सर्वशिक्षा अभियान

राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे सर्व शिक्षा अभियान डाईट मण्डी ने सन् 2016–17 सत्र में सरकार संस्था को अगस्त के महीने में 20 बच्चों के लिए कुछ राशि घर पर शिक्षा देने के लिए दिया जाने लगा। यही 25000/– रूपये मार्च, 2016 तक मिलता रहा। यह संस्था सहायतार्थ के लिए राज्य सरकार व डाईट की धन्यवादी रही है जिन बच्चों को स्कूल का पता नहीं था, साकार संस्था ने यह बच्चे मुख्य धारा में लाने के लिए गाड़ी के माध्यम से स्कूल पहुँचाया, ताकि ये बच्चे पूर्ण रूप से आत्म निर्भर बन सकें।

गरीबी रेखा के नीचे परिवार को सहायता

साकार संस्था के स्कूल आ रहे जो बच्चे गरीबी रेखा से नीचे हैं, उन विशेष बच्चों को साकार संस्था निःशुल्क शिक्षा, निःशुल्क ट्रांसपोर्ट की सुविधा दे रही है। इसके अतिरिक्त जिन बच्चों को जो भी जरूरत पड़ती है साकार संस्था पूरा कर रही है।

विशेष शिक्षा स्कूल

साकार सोसायटी गांव डोढवां में विशेष स्कूल चला रही है। इस स्कूल में 62 विशेष बच्चे विशेष शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। यह बच्चे मानसिक, शारीरिक रूप से बहुविकलांगता से ग्रस्त हैं। इस स्कूल की इमारत दो मंजिला है। बच्चों की संख्या बढ़ जाने पर साकार सोसायटी तीसरी मंजिल बनवा रही है। इस इमारत में बच्चों के रैम्प की व्यवस्था तथा शौचालय की व्यवस्था विकलांगता के अनुसार की गई है। हर मंजिल में दो शौचालय हैं। लड़के तथा लड़कियों के लिए अलग–अलग शौचालयों की व्यवस्था है।

साकार सोसायटी ने एक मंजिल में चार क्लासरूम तथा दूसरी मंजिल पर दो क्लासरूम, Physiotherapy Room, Speech Therapy Room तथा Vocational Room की व्यवस्था कर रखी है। यहां पर बच्चों की समस्या को ध्यानार्थ रखते हुए विशेष बच्चों की सेवा की जाती है। जो बच्चे 14 वर्ष के हैं उन्हें शिक्षा के साथ व्यवसायिक शिक्षा भी दी जाती है। स्कूल के आगे एक खेल का मैदान है जहाँ पर विशेष बच्चे समय–समय पर खेलते हैं।

व्यवसायिक शिक्षा

साकार संस्था विशेष शिक्षा के साथ–साथ 14 वर्ष की आयु वाले बच्चों को व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के लिए एक विशेष शिक्षक की नियुक्ति कर रही है। विशेष शिक्षक, विशेष बच्चों को सजावट की मोतियों की माला बनाना, मोमबत्ती बनाना, थैले बनाना, लिफाफे बनाना, आचार बनाने का प्रशिक्षण तथा लड़कियों को सिलाई का कार्य सिखाया जा रहा है। साकार स्कूल के बच्चों द्वारा निर्मित सामान का दीपावली त्यौहार पर स्टाल लगाती है और उस सामान को सेल करती है, प्राप्त राशि को बच्चों की भलाई के कार्यों में खर्च किया जाता है।

विशेष बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए रोजगार की सुविधा

साकार विशेष स्कूल में जो बच्चे 18 साल के हो चुके हैं तथा गरीब परिवार से सम्बन्ध रखते हैं, साकार संस्था ने दो लड़कियों को स्कूल में रोजगार दे रखा है। यह लड़कियां जलवाहक का कार्य तथा विशेष शिक्षक के साथ अन्य कार्य में बच्चों की सहायता कर रही है। दो बच्चों के अभिभावक माताओं को आया की नौकरी दे रखी है। दोनों माताएं गरीब परिवार से सम्बन्ध रखती हैं। इन दोनों अभिभावकों के विशेष बच्चे स्कूल में विशेष शिक्षा ग्रहण करते हैं। इनके बच्चे गम्भीर रूप से मानसिक विकलांग हैं।

10. साकार संस्था का निरीक्षण :–

साकार संस्था का औचक निरीक्षण सुन्दरनगर के एस.डी.एम. प्रियंका वर्मा जी ने 23 जनवरी, 2017 को किया तथा विशेष बच्चों के बारे में पूछताछ की तथा उनकी समस्या का ब्यौरा लिया।

11. तहसील कल्याण अधिकारी द्वारा औचक निरीक्षण :–

3 फरवरी, 2017 को तहसील कल्याण अधिकारी द्वारा साकार का औचक निरीक्षण किया तथा बच्चों के शिक्षण व प्रशिक्षण बारे में रिपोर्ट ली।

12. **स्वास्थ्य जाँच शिविर :–**

27 जुलाई, 2016 को स्वास्थ्य जाँच शिविर बी.बी.एम.बी. ने लगाया और बच्चों को दवाईयाँ वितरित की।

13. **दूसरा स्वास्थ्य जाँच शिविर :–**

22 अगस्त, 2016 को दूसरा स्वास्थ्य जाँच शिविर बी.बी.एम.बी. के सौजन्य से लगाया गया। बच्चों के माता–पिता को स्वास्थ्य के बारे चिकित्सक अभिभावकों को परामर्श दिए कि बच्चों की सफाई का विशेष ध्यान रखना है।

14. दन्त चिकित्सा जाँच शिविर :–

7 सितम्बर, 2016 को दन्त चिकित्सा जाँच शिविर डैण्टल कॉलेज के सौजन्य से लगाया गया। सभी विशेष बच्चों के दाँतों की जाँच की। बच्चों के दाँतों की सफाई की। हर रोज दाँत को साफ रखने के लिए परामर्श दिए।

15. स्वतन्त्रता दिवस मनाया :–

15 अगस्त, 2016 को सुन्दरनगर के नेहरू पार्क के स्टेज के उपर समूह नृत्य का प्रदर्शन किया सभी बच्चों को सुन्दरनगर एस.डी.एम. ने इनाम बाँटे।

16. वार्षिक उत्सव :–

10 अक्तूबर, 2016 को साकार संस्था ने वार्षिक उत्सव मनाया। इस उत्सव के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल श्री आचार्य व्रत, जिला मण्डी के सांसदर श्री राम स्वरूप जी रहे। हिमाचल के राज्यपाल जी के सामने विशेष बच्चों ने नृत्य का प्रदर्शन किया और संस्था के बारे जाना और विशेष बच्चों के लिए 2 लाख 51 हजार की राशि वितरित की और मुख्य अतिथि ने बच्चों को इनाम बाँटे।

17. आर्ट ऑफ लिविंग महिला क्लब का जश्न समारोहः–

31 दिसम्बर, 2016 को आर्ट ऑफ लिविंग की महिला क्लब ने विशेष बच्चों के साथ नए साल के आगमन की खुशी में साकार विशेष स्कूल के बच्चों के साथ जश्न समारोह मनाया। बच्चों को खाने के लिए सामग्री दी।

18. वसुधा संस्था द्वारा साकार संस्था में अपनी बैवसाईट लाँच करना :–

16 जुलाई, 2016 को वसुधा संस्था ने अपनी साईट को लाँच किया। विशेष बच्चों को इस उपलक्ष्य में खीर खिलाई। बच्चों ने समूह गान, कविता आदि प्रस्तुति दी।

19. पिकनिक का आयोजन :–

16 दिसम्बर, 2016 को सभी विशेष बच्चों का पिकनिक आयोजन किया। सभी बच्चों को शीतला माता मन्दिर ले जाकर बच्चों ने खुशी से नृत्य, कविता, संगीत पर नृत्य का आनन्द उठाया तथा दोपहर के भोजन के पश्चात सभी बच्चों ने डांस किया।

20. सुन्दर नगर के ग्रामीण बैंक के सहायक प्रबन्धक द्वारार विशेष बच्चों को डैस्क और कुर्सियाँ अनुदान में 23 मार्च, 2017 को दी ताकि बच्चे आराम से बैठकर विशेष शिक्षा ग्रहण कर सकें।

21. विशेष खेल प्रतियोगिता :–

जिला मण्डी में DYSO जिला युवक खेल अधिकारी खेल के आयोजन में नवम्बर, 2016 को भाग लिया। इस खेल प्रतियोगिता में Dace और बौची Bocce में गोल्ड हासिल किया।

22. बसन्त पंचमी उत्सव :–

फीट Feet and Fire Academy द्वारा 5 फरवरी, 2017 को इस उत्सव का आयोजन सुन्दरनगर के पॉलिटैक्निक कॉलेज में किया। इस समारोह में साकार के विशेष बच्चों ने समूह नृत्य का प्रदर्शन किया। सभी बच्चों को कम्बल वितरित किए।

23. नलवाड़ मेला उत्सव :–

सुन्दरनगर में नलवाड़ मेला उत्सव शाम 22 मार्च, 2017 को शुरू हुआ। 22 मार्च, 2017 शाम को साकार के विशेष स्कूल के बच्चों ने समूह नृत्य एकल नृत्य प्रस्तुत किया।

24. राज्य विशेष ओलम्पिक (खेल प्रतियोगिता) भारत :–

5 जुलाई, 2016 को जिला बिलासपुर में राज्य विशेष ओलम्पिक भारत द्वारा बैडमिन्टन और बौची की प्रतियोगिता हुई। इस राज्य विशेष ओलम्पिक में साकार के 3 लड़के व 3 लड़कियों ने भाग लिया। बच्चों ने एक सिल्वर मैडल हासिल किया।

25. राज्य विशेष ओलम्पिक भारत (पालमपुर) :–

13 से 15 को विशेष ओलम्पिक पालमपुर में 3 लड़के व 3 लड़कियों ने बालीबॉल और रेस में भाग लिया। बच्चों ने तीन सिल्वर और एक गोल्ड मैडल हासिल किया।

26. विशेष ओलम्पिक भारत (जयपुर) :–

21 से 25 अक्तूबर, 2016 को एक लड़का और एक लड़की दिशा ने विशेष ओलम्पिक जयपुर में भाग लिया और दिशा चौथे स्थान पर रही।

27. State Spl. Olympic Bharat at Bilaspur :-

जनवरी, 2017 को साकार के विशेष बच्चों ने जिला बिलासपुर स्टेट गेम बैडमिन्टन और दौड़ में दो लड़कियों और एक लड़के ने भाग लिया। बच्चों ने दो सिल्वर और एक गोल्ड मैडल हासिल किए।

28. State Spl. Olympic Bharat at Una:-

8 अक्तूबर, 2016 से स्टेट गेम में फुटबॉल और Roller Skating में एक लड़की तथा 6 लड़कों ने भाग लिया। बच्चों ने दो सिल्वर मैडल हासिल किए।

29. विशेष बच्चों ने गणतन्त्र दिवस मनाया :–

26 जनवरी, 2017 को नेहरू पार्क के मैदान में इस दिवस के मुख्य अतिथि एस.डी.एम. प्रियंका वर्मा थे। इस उत्सव में साकार विशेष बच्चों ने समूह नृत्य स्टेज के उपर प्रस्तुत किया और एस.डी.एम. मुख्य अतिथि जी ने बच्चों को मोमेन्टोज़ ईनाम के रूप में दिए।

30. Best Teacher Award :-

5 सितम्बर, 2016 को श्रीमान हेम सिंह रोटरी क्लब के प्रधान ने मिस जया चौहान को Best Teacher Award से सम्मानित किया।

31. विश्व दिव्यांगता दिवस :–

3 दिसम्बर, 2016 को विश्व विकलांगता दिवस श्रवण बाधित और मुखबधिर के विशेष बच्चों के लिए स्कूल सुन्दरनगर में मनाया। इस दिवस के उपर बुलाए मुख्य अतिथि एस.डी.एम. थे। इस विश्व विकलांगता दिवस के उपलक्ष्य में इस स्कूल के बच्चों तथा साकार के बच्चों ने नृत्य, एकल गान आदि बच्चों द्वारा प्रस्तुत कि। बच्चों को अन्त में मुख्य अतिथि ने ईनाम वितरित किए।

32. दिशा केन्द्र :–

साकार सोसायटी को राष्ट्रीय न्यास द्वारा 10 वर्ष तक के विशेष बच्चों के लिए फरवरी, 2016 को 20 बच्चों के लिए दिशा केन्द्र दिया। अब तक इस केन्द्र को साकार संस्था गाँव डोढवां में चलाया जा रहा है। इस केन्द्र में 20 विशेष बच्चे विशेष शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

33. विकास केन्द्र :–

साकार संस्था ने दूसरा केन्द्र राष्ट्रीय ब्यास में मार्च, 2016 को स्वीकृत किया। इस केन्द्र में 30 बच्चे विशेष शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

34. Physiotherapy Centre :-

साकार संस्था ने गांव डोढवां में विशेष स्कूल के साथ Physiotherapy Centre रखा है, जिसमें एक Physiotherapist और C.P. बच्चों के लिए Special Educator उपलब्ध है। विशेष बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन बच्चों को शारीरिक क्रियाक्लाप के लिए यह केन्द्र खोला ताकि इसमें बच्चे आत्म निर्भर हो सकें।

35. **Speech Therapist Centre :-**

साकार संस्था में Speech Therapy Centre है। इस संस्था में एक Speech Audiologist है। जिन बच्चों को बात करने से सम्बन्धित समस्या है। उन बच्चों को Speech Therapy द्वारा उन बच्चों का पुनर्वास किया जा रहा है।

36. **साकार स्कूल का स्टाफ :–**

– विशेष शिक्षकों की संख्या	:	5
– प्रमस्तिष्क अंगघात के विशेष शिक्षक	:	1
– आया	:	4
– व्यवसायिक शिक्षक	:	1
– Physiotherapist Vocational Instructor	:	1
– Speech Audiologist	:	1

– विशेष बच्चों के लिए साकार संस्था में दो विशेष कोच जो समय पर खेल का प्रशिक्षण देते हैं।

37. साकार संस्था द्वारा 2016–17 में किए गए अथक प्रयास :–

साकार सोसायटी द्वारा अपने उदेश्य को पूरा करने के लिए किए गए अथक प्रयास 2016–17 इस प्रकार रहे।

1. अभिभावकों को घर–घर जाकर जागरूक करके विशेष बच्चों को स्कूल तक पहुँचाना।
2. विशेष स्कूल में विशेष बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें आवश्यकतानुसार सुविधा देना।
3. विशेष बच्चों की सुविधा के लिए लगातार Physiotherapist Centre की सुविधा देना ताकि शारीरिक रूप से दिव्यांग बच्चे आत्म निर्भर बन सकें।
4. विशेष स्कूल में Speech Audiologist द्वारा बच्चों को बोलने से सम्बन्धित समस्या समाधान करना ताकि बच्चे में हीन भावना न आए।
5. बच्चों की संख्या बढ़ाने के लिए लगभग सुन्दरनगर के 25 गाँवों के बच्चों को गाड़ी में स्कूल तक पहुँचाना तथा घर–घर तक छोड़ने की सुविधा देना।
6. साकार संस्था ने Physiotherapist and Speech Audiologist की सुविधा लगातार देने के लिए दोनों संस्था में चलाना।
7. साफ पानी व ठण्डा पानी के लिए RO Water Purifier Cooler की सुविधा।
8. बच्चों की संख्या बढ़ने से तीसरी मंजिल का निर्माण।
9. C.P. बच्चों के लिए Cerebal Palsy से ग्रस्त बच्चों के लिए अलग से Special Educator नियुक्त करना।
10. Early Intervention को शुरू करना ताकि बच्चों शीघ्र हस्तक्षेप हो।
11. बच्चों को योगाभ्यास के लिए आर्ट ऑफ लिविंग से विशेष शिक्षक प्रशिक्षक करवाना ताकि सभी बच्चों से योगाभ्यास करवाया जा सके।
12. विषेष बच्चों की आवश्यकतानुसार शैक्षणिक स्तर बढ़ाने के लिए बच्चों की योग्यतानुसार दीवार पर पेंट करवाया ताकि बच्चे खेल–खेल में देखकर Concept को समझ सकें।
13. विशेष बच्चों की संख्या बढ़ जाने से स्कूल समय में एक घण्टे का समय बढ़ाया ताकि बच्चे और ज्यादा सीख सकें।
14. व्यवसायिक प्रशिक्षण में इस वर्ष आचार बनाने का प्रशिक्षण को शुरू किया।
15. विशेष बच्चों को दन्त चिकित्सा शिविर के माध्यम से बच्चों के खराब दाँत को निकलवाकर दाँतों की सफाई करवाना।

16. गरीबी रेखा के नीचे गुजर–बसर कर रहे परिवारों के विशेष बच्चों को निःशुल्क शिक्षा तथा Transportation सुविधा देना।

38. साकार संस्था द्वारा नई शाखा की शुरुआत

1अक्तूबर 2016 को जिला मण्डी के पधर में साकार संस्था ने एस.डी.एम पधर के करकमलों द्वारा इस शाखा की नींव रखी। इस शाखा में 10 विशेष बच्चे शिक्षा ग्रहण करने लगे।इन बच्चों के लिए एक विशेष शिक्षक तथा एक आया को तैनात किया अब मार्च 2017 में इस स्कूल में विशेष बच्चों की संख्या 16 हो चुकी है।